पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने द्वितीय अखिल भारतीय पुलिस बैडमिण्टन (बैडमिण्टन एवं टेबल टेनिस) क्लस्टर प्रतियोगिता (महिला/पुरुष) 2025–26 का शुभारम्भ किया

मुख्यमंत्री ने उद्घाटन मैच में बैडमिण्टन रैकेट से शटल कॉक को शॉट लगाया, प्रतियोगिता की स्मारिका 'स्फूर्ति' का विमोचन किया

जिस प्रकार हम बैडमिण्टन में एक शटल कॉक को नीचे नहीं गिरने देते, उसी प्रकार जीवन में हमें अपने हौसलों और सपनों को कभी टूटने नहीं देना चाहिए : मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप प्रदेश में एक बेहतरीन खेल संस्कृति को आगे बढ़ाने में सफलता प्राप्त हो रही

बैडमिण्टन और टेबल टेनिस में एकाग्रता की आवश्यकता होती, त्वरित निर्णय की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती

देशभर से लगभग 1,400 खिलाड़ी इस 05 दिवसीय अखिल भारतीय प्रतियोगिता का हिस्सा बने, उ0प्र0 में यह आयोजन पहली बार हो रहा

भारत में प्राचीनकाल से ही कबड्डी, कुश्ती, खो–खो, मलखम्भ, धनुर्विद्या, शतरंज, तलवारबाजी जीवन का हिस्सा रहे

स्वस्थ शरीर से स्वस्थ मस्तिष्क और स्वस्थ मस्तिष्क से स्वस्थ चरित्र का निर्माण होता

डबल इंजन सरकार खेल की प्राचीन विधाओं से प्रेरणा प्राप्त करते हुए खेल कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही

11 वर्षों में हमने देश में एक नये स्पोर्ट्स ईको–सिस्टम का प्रभावी क्रियान्वयन होते देखा, खेल 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' और राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम बना

उ0प्र0, देश का वह राज्य जहाँ कुशल खिलाड़ियों के लिए सीधी भर्ती, पदोन्नति और नगद पुरस्कार की पारदर्शी व्यवस्था लागू

सरकार ने खिलाड़ियों को सम्मानजनक कैरियर बनाने के लिए सरकारी नौकरियों में 02 प्रतिशत हॉरिजॉण्टल आरक्षण की व्यवस्था की

अब तक 534 खिलाड़ियों की सीधी भर्ती द्वारा विभिन्न पदों पर नियुक्ति, स्पोर्ट्स कोटे के अन्तर्गत 546 नई भर्तियाँ प्रक्रियाधीन,

वर्ष 2021 से अब तक पुलिस में कार्यरत 334 खिलाड़ियों को निरीक्षक, उपनिरीक्षक और मुख्य आरक्षी पदों में प्रमोशन दिया गया

खेल के मैदानों में खेल और खेल गतिविधियों के बारे में जो व्यावहारिक रणनीति बतायी जाती, वह सैद्धान्तिक रूप से पाठ्य–पुस्तकों में मिलना कठिन

लखनऊ : 09 मई, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि खेल हमें गिरना, उठना और जीतना सिखाता है। जिस प्रकार हम बैडमिण्टन में एक शटल कॉक को नीचे नहीं गिरने देते हैं, उसी प्रकार जीवन में हमें अपने हौसलों और सपनों को कभी टूटने

नहीं देना चाहिए। जैसे प्रत्येक खेल में स्टेप और शॉट का ध्यान रखना जरूरी है, उसी प्रकार जीवन में निरन्तर सुधार और अनुशासन के साथ लगातार प्रयास जरूरी है। इसका परिणाम भी उतना ही बेहतर हम सबको प्राप्त होता है। डबल इंजन सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के इस विजन को उत्तर प्रदेश में लागू करने में सफलता प्राप्त की है।

मुख्यमंत्री जी आज यहाँ उत्तर प्रदेश पुलिस के तत्वावधान में आयोजित द्वितीय अखिल भारतीय पुलिस बैडमिण्टन (बैडमिण्टन एवं टेबल टेनिस) क्लस्टर प्रतियोगिता (महिला/पुरुष) 2025–26 का शुभारम्भ करने के उपरान्त कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने उद्घाटन मैच में बैडमिण्टन रैकेट से शटल कॉक को शॉट लगाया। उन्होंने प्रतियोगिता की स्मारिका 'स्फूर्ति' का विमोचन किया। कार्यक्रम में 35वीं वाहिनी पी0ए0सी0 की बैण्ड टुकड़ी द्वारा प्रस्तुति दी गई। मुख्यमंत्री जी ने बैण्ड प्रभारी को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बैडमिण्टन और टेबल टेनिस में एकाग्रता की आवश्यकता होती है। त्वरित निर्णय की भूमिका भी इसमें महत्वपूर्ण होती है। खेल के माध्यम से सीखे गए स्किल हमें आपदा प्रबन्धन के साथ–साथ विपरीत परिस्थितियों से मुकाबला करने के लिए तैयार करते हैं। प्रत्येक मेडल के पीछे एक संकल्प व कभी हार न मानने की कहानी होती है। टैलेण्ट शुरुआत देता है, लेकिन हमारी मेहनत हमें लक्ष्य तक पहुँचाती है। जितना पसीना बहेगा, जीत उतनी ही बड़ी होगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देशभर से लगभग 1,400 खिलाड़ी इस 05 दिवसीय अखिल भारतीय प्रतियोगिता का हिस्सा बने हैं। उत्तर प्रदेश में यह आयोजन पहली बार हो रहा है। भारत में प्राचीनकाल से खेलकूद गतिविधियों को प्रोत्साहन देने की परम्परा रही है। हमारी परम्परा में मान्यता है कि 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' अर्थात शरीर ही धर्म (कर्तव्य) को पूरा करने का पहला और मुख्य साधन है। सभी साधनों को प्राप्त करने के लिए शरीर का स्वस्थ होना आवश्यक है और शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक है कि व्यक्ति अपने दैनिक कार्यक्रमों के साथ खेल और खेलकूद गतिविधियों को जीवन का हिस्सा बनाए। भारत में प्राचीनकाल से ही कबड्डी, कुश्ती, खो–खो, मलखम्भ, धनुर्विद्या, शतरंज, तलवारबाजी जीवन का हिस्सा रहे हैं। अखाड़ा शब्द में एक साथ ज्ञान की परम्परा के साथ शरीर को स्वस्थ रखने की कला निहित है। यह दोनों जिस स्थान पर एक साथ प्रदर्शित किए जाएं, वही अखाड़ा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वस्थ शरीर से स्वस्थ मस्तिष्क और स्वस्थ मस्तिष्क से स्वस्थ चरित्र का निर्माण होता है, जो राष्ट्र निर्माण में योगदान देता है। हमारी ऋषि परम्परा ने हमेशा इसको महत्व दिया है। जब हम भारत के प्राचीन धर्म ग्रन्थों का अवलोकन करते हैं, तो यह स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। जब हम 'अर्जुन' का उल्लेख करते हैं, तो उसका तात्पर्य एकाग्रता, अनुशासन और समर्पण का प्रतीक है। खेल के लिए इन भावनाओं का अत्यन्त महत्व है। जब हम मल्ल युद्ध की बात करते हैं,

तो बलराम जी व भीम का स्मरण होता है। बलराम जी शक्ति और संतुलन के प्रतीक हैं। गदा युद्ध में शक्ति, रणनीति और पराक्रम का मिश्रण है। डबल इंजन सरकार खेल की इन प्राचीन विधाओं से प्रेरणा प्राप्त करते हुए खेल कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 11 वर्षों में हमने देश में एक नये स्पोर्ट्स ईको–सिस्टम को व्यापक रूप से प्रभावी क्रियान्वयन होते देखा है। आज खेल 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' और राष्ट्र निर्माण का एक सशक्त माध्यम बना हुआ है। 'खेलो इण्डिया', 'फिट इण्डिया मूवमेण्ट', 'सांसद खेलकूद प्रतियोगिता', 'उत्तर प्रदेश ग्रामीण लीग' प्रतियोगिता तथा 'विधायक खेलकूद प्रतियोगिता' हमें एक प्लेटफॉर्म उपलब्ध करा रही हैं। यह समाज के अंतिम पायदान पर बैठे खिलाड़ी को भी बेहतर अवसर उपलब्ध कराती हैं। इसके परिणामस्वरूप आज ओलम्पिक, कॉमनवेल्थ, एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिभाग बढ़ा है तथा अभूतपूर्व सफलता प्राप्त हुई है। उत्तर प्रदेश ने इस विजन को प्रभावी ढंग से लागू करने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2017 से पहले स्टेडियम नाम मात्र ही थे और जो स्टेडियम थे, उनमें भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। उनका उचित रख–रखाव नहीं होता था। खिलाड़ी उपेक्षित था तथा कुशल खिलाड़ी कार्यालयों में भटकने को मजबूर होते थे। प्रतिभाएँ प्रतीक्षा सूची में दम तोड़ने को मजबूर थीं। आज उत्तर प्रदेश, देश के उन राज्यों में है, जहाँ कुशल खिलाड़ियों के लिए सीधी भर्ती, पदोन्नति और नगद पुरस्कार की पारदर्शी व्यवस्था लागू की गयी है। सरकार ने खिलाड़ियों को सम्मानजनक कैरियर बनाने के लिए सरकारी नौकरियों में 02 प्रतिशत हॉरिजॉण्टल आरक्षण की व्यवस्था की है। खेल मात्र एक शौक या टाइम पास नहीं, बल्कि एक सम्मानजनक कैरियर बन रहा है और इसकी गारण्टी प्रदेश सरकार दे रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अब तक अन्तरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के 534 खिलाड़ियों को सीधी भर्ती के माध्यम से उत्तर प्रदेश पुलिस और उत्तर प्रदेश शासन के विभिन्न पदों पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं। स्पोर्ट्स कोटे के अन्तर्गत 546 नई भर्तियाँ प्रक्रियाधीन हैं। वर्ष 2021 से अब तक पुलिस बल में कार्यरत 334 खिलाड़ियों को निरीक्षक, उपनिरीक्षक और मुख्य आरक्षी पदों में प्रमोशन दिया गया है। टोक्यो और पैरिस ओलम्पिक में भारत को मेडल दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने वाले भारतीय हॉकी टीम के सदस्यों, श्री ललित उपाध्याय और श्री राजकुमार पाल को सीधे प्रदेश पुलिस बल में डिप्टी एस0पी0 का पद दिया गया है। एशियन गेम्स में 05 हजार मीटर दौड़ विजेता सुश्री पारुल चौधरी को भी डिप्टी एस0पी0 बनाया गया है। एशियन चैम्पियनशिप 2024–25 में गोल्ड मेडल विजेता महिला आरक्षी सुश्री प्रियांशी प्रजापति एवं सुश्री पुष्पा को आरक्षी से सीधे निरीक्षक के पद पर पदोन्नति देने का कार्य किया है।

यह नाम सूची मात्र नहीं, बल्कि विश्वास के साक्ष्य हैं, जो आज खाकी और खेल के बीच अटूट रिश्ता बन चुका है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्पोर्ट्स टैलेण्ट को एक प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने तथा खेल का मजबूत ईको–सिस्टम तैयार करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में खेल के मैदान, ब्लॉक स्तर पर एक मिनी स्टेडियम, जनपद में स्टेडियम का कार्य प्रदेश में तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। देश के लिए मेडल जीतने वाले प्रदेश के खिलाड़ी को भी उत्तर प्रदेश सरकार बेहतरीन अवसर उपलब्ध कराती है। प्रतिभाग करने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों को भी सरकार सहयोग करती है। मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को प्रदेश सरकार की ओर से इंसेन्टिव देने तथा पुलिस व प्रदेश सरकार के अन्य विभागों में समायोजन का कार्य सरकार आगे बढ़ा रही है। इसके परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप प्रदेश में एक बेहतरीन खेल संस्कृति को आगे बढ़ाने में सफलता प्राप्त हो रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश आबादी की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य है। राज्य में 25 करोड़ की आबादी निवास करती है। इसमें 56 प्रतिशत आबादी वर्किंग फोर्स अर्थात युवा है। पॉपुलेशन डिविडेण्ड जितना स्वस्थ होगा, उसके उतने ही बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे। खेल के मैदानों में खेल और खेल गतिविधियों के बारे में जो व्यावहारिक रणनीति बतायी जाती है, वह सैद्धान्तिक रूप से पाठ्य–पुस्तकों में मिलना कठिन होता है। खेल के मैदान में अनुशासन का पाठ पढ़ाया जाता है तथा दृढ़ संकल्प व समर्पण के लिए खिलाड़ी को तैयार किया जाता है। इसके माध्यम से ऐसे व्यक्ति को तराशने का कार्य होता है, जो राष्ट्र को सशक्त व सुरक्षित तथा उसे विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कड़ी बन सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने आयोजकों, कोच व खिलाड़ियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता आगामी 05 दिनों तक खेल और खेल संस्कृति को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए एक नई प्रेरणा बनेगी।

कार्यक्रम में कुशल खिलाड़ी श्री कपिल चौधरी द्वारा खिलाड़ियों को शपथ दिलायी गयी तथा उत्तर प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों पर आधारित लघु फिल्म प्रदर्शित की गयी।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री, गृह एवं सूचना श्री संजय प्रसाद, पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कृष्ण, अपर निदेशक एस0आई0बी0 श्रीमती विनीता शर्मा, अपर पुलिस महानिदेशक पी0ए0सी0 डॉ0 आर0के0 स्वर्णकार, सलाहकार मुख्यमंत्री श्री अवनीश कुमार अवस्थी, अध्यक्ष उत्तर प्रदेश बैडमिण्टन संघ श्री नवनीत सहगल, चेयरमैन उत्तर प्रदेश बैडमिण्टन संघ श्री विराज सागर दास तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

————————

PN-CM-Akhil Bhartiya Police Badminton Cluster-09 May, 2026